

प्रेषक,

संजीव बोपड़ा,  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

वित्त नियंत्रक,  
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग,  
उत्तरांचल, देहरादून।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अनुभाग

देहरादून

दिनांक २९ मार्च 2004

विषय: रवी स्वरीद सत्र 2004-05 में एस0वी0टी0 जूट बोरों के लेखाशीर्षक-4408 से धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आयुक्त खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के पत्र संख्या-158/आ०वि०शा०-बोरा/04-05 दिनांक 16 मार्च, 2004 के सांदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय आगामी रवी सत्र 2004-05 के अन्तर्गत गैरु की खरीद योजना हेतु 2700 बैल्स (13 लाख 50 हजार) बोरों के क्रय के लिए रु0 2.44 करोड (रुपये दो करोड़ चौदालीस लाख मात्र) की धनराशि को आहरित कर व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1. उक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण कर डिप्टी कन्ट्रोलर ऑफ एकाउन्ट, डिपार्टमेंट ऑफ सप्लाई, कोलकाता के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट बनायेंगे तथा डिमाण्ड ड्राफ्ट आयुक्त खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तरांचल को उपलब्ध करायेंगे। आयुक्त खाद्य एवं नागरिक, उत्तरांचल यह सुनिश्चित करेंगे कि बोरों के क्रय का इंडेण्ट तैयार कर ड्राफ्ट सहित प्रस्ताव निदेशक (सप्लाई एण्ड डिस्पोजला वाणिज्य मन्त्रालय, भारत सरकार, कोलकाता) को उपलब्ध करायेंगे।

2. स्वीकृत की गई धनराशि में ट्रान्सपोर्टेशन चार्ज शामिल नहीं हैं। क्रय किये जाने वाले बोरों के परिवहन व्यय को न्यूनतम रखा जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

3. यह सुनिश्चित किया जायेगा कि DGS & D के पास वर्ष 2001-02 तथा 2002-03 में अवशेष बैल्स को भी उपलब्ध कराये जाने के लिए DGS & D कोलकाता से प्राप्त किये जाने का प्रयास किया जाये।

4. धनराशि का आहरण तात्कालिक वास्तविक आवश्यकता के आधार पर किया जायेगा।

5. उक्त धनराशि से संबंधित लेखे व्यापार लेखा (ट्रेडिंग एकाउन्ट) के रूप में रखे जायेंगे तथा प्रतिमाह ट्रायल बैलेन्स तथा वित्तीय वर्ष की समाप्ति के उपरान्त हानि-लाभ लेखा बनाया जायेगा, तथा जिसकी सूचना शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।

✓

6. उक्त धनराशि के आहरण की अनुमति लेखाशीर्षक-“4408” के वर्तमान वर्ष से संबंधित जग्या धनराशि की सीमा के अन्तर्गत ही प्रदान की जा रही है।

7. इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2003-2004 के अनुदान संख्या-25 के लेखाशीर्षक 4408-खाद्य भण्डारण तथा भण्डारण पर पूँजीगत परिवर्ण-00-आयोजनेतार-01-खाद्य-101-खण्ड और पूर्ति-03-अन्न पूर्ति योजना-31-सामग्री और राष्ट्रपूर्ति के नामे दाला जायेगा।

8. यह आदेश वित्त विभाग द्वारा पूरी में लेखाशीर्षक-“4408” के संबंध में समय समय पर जारी दिशा निर्देशों के अनुसार जारी किये जा रहे हैं।

महाराष्ट्र

(राजीव चौपडा)  
संघिव।

संख्या:163 (1)/खाद्य/बजट/2004तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यकाली हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, ओवराय गतन, गाजरा, देहरादून।
2. आयुक्त, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, उत्तरांचल, देहरादून।
3. निदेशक, राष्ट्राई एण्ड डिस्पोजेक्ट, बाणिज्य फ़ैब्रिल, भारत सरकार, 6-इसलेप्ट ईरा, कोलकाता।
4. समागमीय खाद्य नियंत्रक, गढ़वाल/कुमाऊ संभाग।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. समागमीय लेखाधिकारी, खाद्य गढ़वाल/कुमाऊ संभाग, देहरादून/लड्हानी।
7. वित्त अनुभाग-3 उत्तरांचल शारान।
8. समन्वयक, एनोआईरी० उत्तरांचल, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आशा से,

(राजीव चौपडा)  
संघिव।

